माखन मिश्री खावा ने थे मारे घर आवो रे कानजी लिरिक्स

माखन मिश्री खावा ने,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
माखन मिश्री खावन ने,
थे मारे घर आवो कानजी रे।bd।

अरे ऊंची बैठी अधर झरोखे रे,
हे फुलडो री सहज बिसावणं ने,
मोरी गलियां खिले रंगरलियां,
हो आजो भरम मिटावण ने,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
माखन मिश्री खावन ने,
थे मारे घर आवो कानजी रे।bd।

मैं जावो जल जमना रो पाणी हे,
थे आजाइजो नावण ने,
हो तन मन री अपो बातो करोला,
मनडा री अपो बातो करोला,
मति केजो थारी माता ने,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
माखन मिश्री खावन ने,
थे मारे घर आवो कानजी रे।bd।

अरे गोपी ग्वालिनों ने,
संग मत लीजो हे,
हे नहीं है माखन खिलावण ने,
एक आथनी कोरी राखी,
हे थारे ताई भोग लगावण ने,
थे मारे घर आवो कानजी,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
माखन मिश्री खावन ने,
थे मारे घर आवो कानजी रे।bd।

हे जमना जी रे इरा तीरा हे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

थे आजाइजो धेनु चरावण ने,
हे चन्द्र सखी भजबाल कृष्ण छवि,
ओ हरक हरक गुण गावण ने,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
माखन मिश्री खावन ने,
थे मारे घर आवो कानजी रे।bd।

माखन मिश्री खावा ने,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
थे मारे घर आवो रे कानजी,
माखन मिश्री खावन ने,
थे मारे घर आवो कानजी रे।bd।

गायक – रामकिसन सोनी।
प्रेषक – प्रकाश पालीवाल
+918619450278

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com